वाहम्· 2) percipere, sentire, experiri, perpeti. Ragh. 1.21.: असक्तः सुखम् अन्वभूत्; 8.3.: अनुभूय ... अभिषेचनम्; Mah. 3.10789.: ईदृशीम् आपदम् को ऽत्र द्वितीयो ऽनुभविष्यति·

c. अनु praef. सम् *id.* Ragh. 9.48.: आर्तवम् उत्सवं समनुभूय·

c. अन्तर् inesse. Man. 12.87.

c. अभि aggredi, accedere. Mah. 3.10592.: एषा ते भास्वती कीर्तिर् लोकान् अभिभविष्यति; Bh. 1.40.: धर्मे नष्टे कुलं कृत्स्नम् अधर्मो 'भिभवति· Hostiliter aggredi, invadere. Sak. 15.3. infr.: परित्रायेथाम् माम् अनेन दुष्टमधुकरेण 'भिभूयमानाम्· 2) superare, vincere. A. 3.30.: यदा 'भिभवितुम् बाणैर् नच शक्नोमि तम्; 11.2.: न त्वा 'भिभवितुं शक्तो मानुषो भुवि कश्चन·

c. उत् *Caus.* facere ut alqs existat, procreare. Ragh. 2.62.: मायाम् उद्भाव्य·

c. उत् praef. सम् oriri. Ghat. 5.: शोकः समुद्भवति·

c. तिरस् evanescere. Ragh. 16.23.: पूर् अपि ... तिरोबभूव· *Caus.* delere, evertere, frangere. R. Schl. I. 44. 9.: तस्या ऽवलेपनम् ... तिरोभावयितुम् बुद्धिश् चक्रे·

c. परा perire. Mah. 1.4167.: यथा धर्मो न पराभवेत्·

c. परि despicere, contemnere. Hit. 30.11.: शशिनस् तुल्यवंशो ऽपि निर्धनः परिभूयते; Dr. 6.17.: पञ्चे 'न्द्रकल्पान् परिभूय; Br. 2.16.

c. परि praef. सम् *id.* Mah. 3.13230.

c. प्र 1) esse. Bh. 16.9.: प्रभवन्त्य् उग्रकर्माणः· 2) fieri, prodire, oriri, nasci. Bh. 8.18.: अव्यक्ताद् व्यक्तयः सर्वाः प्रभवन्त्य् अहरागमे; Ragh. 10.51.: पुरुषः प्रबभूवा 'ग्नेः; Hit. 13.8.: लोभात् क्रोधः प्रभवति· 3) valere, praevalere, potentem, parem esse, *c. dat. vel infin.* Hit. 25.6.: प्रीत्यै (चेतसः) सज्जनभाषितम् प्रभवति; Ur. 7.9.: कथम् ... निर्मातुम् प्रभवेन् मनोहरम् इदं रूपम् पुराणो मुनिः; Ragh. 8.44. R. Schl. II. 23.38. — *Cum gen. pers.* Man. 5.2.: विप्राणां स्वधर्मम् अनुतिष्ठताङ् कथम् मृत्युर् प्रभवति; Mah. 3.12669.: ना 'स्माकम् मृत्युर् प्रभवते· — *Absol.* Hit. 24.3.: विश्वासात् प्रभवन्त्य् एते विश्वासस् तत्र नो 'चितः· — प्रभवत् praevalens, praepotens. H. 2.32. 4) abundare. प्रभूत abundans, multus, copiosus. N. 13.3.: प्रभूतयवसेन्धनम्; Hit. 45.6.: प्रभूते ऽपि वित्ते·

c. वि *Caus. proprie* facere ut aliquid foras sit, inde 1) explorare, investigare, indagare. Man. 8.25.: बाह्यैर् विभावयेल् लिङ्गैर् भावम् अन्तर्गतन् नृणाम् (Schol. निरूपयेत्)· 2) probare, demonstrare. Man. 8.56.: उक्तञ्च न विभावयेत्· 3) observare, percipere, sentire. Man. 7.147.: मन्त्रयेद् अविभावितः; Ragh. 11.10.: उह्यमान इव वाहनोचितः पादचारम् अपि न व्यभावयत्· — *Pass.* videri. Mah. 1.932.: सूर्यांशुभिः स्पृष्टं सर्वं शुचि विभाव्यते· Hit. 124.63.

c. सम् 1) una esse, conjunctum esse. Su. 2.11.: तेषाम् ... सम्भूय सर्वैर् अस्माभिः कार्यः सर्वात्मना वधः· Coire *cum femina.* Mah. 1.4398.: सम्बभूव तया सह· 2) fieri. Su. 1.30.: ततस् तौ तु जटा भित्त्वा मौलिनौ सम्बभूवतुः; 4.11.: दृष्ट्वै 'व ताम् वरारोहाम् व्यथितौ सम्बभूवतुः; Mah. 3.8843.: गर्भिण्यौ सम्बभूवतुः; 3.16478.: तथा समभवच्चा 'पि यद् उवाच विभीषणः· 3) oriri. H. 1.17.: घोरा समभवत् सन्ध्या; Br. 3.24.: हर्षः समभवद् महान्· 4) nasci, *c. ablat. patris et loc. matris.* Mah. 1.8028.: सात्वत्याम् अतिरथः सम्बभूव धनञ्जयात्· 5) esse posse, sufficiens spatium habere *in aliquo loco,* valere. M. 12.: अलिङ्गे यदा चै 'व ना 'सौ समभवत्· — *Caus.* 1) facere ut alqs existat, sustentare, servare. Man. 2.142.: यः ... सम्भावयति चा 'न्नेन; Mah. 1.1343.: सम्भावया 'त्मानम् अशीर्णम् मम तेजसा· 2) facere. Mah. 3.13316.: स्वस्तिवाचनम् समभावयम्; 13317.: स्वस्तिवाचनानि सुष्ठु सम्भावितानि· 3) committere. Mah. 1.2088.: सम्भावय ... मयि सर्वम्· 4) convenire, congredi, adire. Mah. 3.1982.: काम्यके पार्थान् समभावयद् अच्युतः; Ur. 9.6. *infr.* 5) cogitare. Ragh. 7.6.: सम्भावितः (Schol. चिन्तितः)· 6) putare, existimare. Ragh. 6.42.: धारां शितां रामपरश्वधस्य सम्भावयत्य्